लखनऊ सत्संग स्थल पर पहुँचने हेतु मार्ग दर्शन एवं दिशा निर्देश

1. **रेल मार्ग द्वारा** : रेल मार्ग से आने वाले सभी सत्संगी भाई चारबाग रेलवे स्टेशन (लखनऊ या लखनऊ ज.) उतरकर ऑटो रिक्शा से आई.टी. चौराहा पहुँचें। वहां से निरालानगर चौराहा न.–8 होते हुए माधव सभागार जो आई.टी. चौराहा से करीब 800 मी. की दूरी पर है पैदल या रिक्शा द्वारा पहुँच सकते है।
2. **सड़क मार्ग द्वारा** : बस द्वारा आने वाले सत्संगी भाई आलमबाग अंतर्राजीय (Interstate) बस स्टेशन या कैसर बाग बस स्टेशन से ऑटो द्वारा आई.टी. चौराहा होकर माधव सभागार पहुंच सकते हैं।
3. **विशेष** : सत्संगियों के मार्ग दर्शन हेतु स्वंयसेवक चारबाग रेलवे स्टेशन के बाहर **रवीन्द्रालय के सामने** दिनांक 08.03.2012 को 12 बजे से दिनांक 09.03.2012 को 12 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सत्संग में भाग लेने वाले साधकों के लिए दिशा–निर्देश

1. पण्डाल में ठीक समय से पहुंचकर सभी सत्संग कार्यक्रमों में भाग लें।
2. कार्यक्रम के दौरान अपने मोबाइल फोन बन्द रखें।
3. सत्संग स्थान पर आने के बाद अपने ह्रदय को परमात्मा की याद में लगाये रखें।
4. पण्डाल में पहले आने वाले व्यक्ति आगे बैठें ताकि बाद में आने वाले व्यक्तियों को असुविधा न हो।
5. माताएं शिशुओं और बच्चों को लेकर आन्तरिक सत्संग और सामूहिक शान्ति पाठ में न बैठें।
6. बहुमूल्य वस्तुएं हर्गिज साथ न लाएं।
7. सत्संग साहित्य एवं साधना के सिद्धान्तों पर प्रवचनों की सी.डी. व डी.वी.डी. बुक स्टॉल से प्राप्त कर सकते हैं।

कृपया आवश्यकता पड़ने पर सम्पर्क करें

सत्संग केन्द्र :

36, कृष्णलोक कॉलोनी, सीतापुर रोड, लखनऊ

मो. : 09839472826, 09415796737, 09415411888

सत्संग केन्द्र :

977, सेक्टर–एम, आशियाना कॉलोनी, लखनऊ

मो. : 09452293566, 09451897086, 09415927574

परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी द्वारा संस्थापित अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग (रजि.), दिल्ली द्वारा प्रकाशित सत्संग साहित्य एवं त्रैमासिक पत्रिका "सन्त सुधा" आदि सत्संग साहित्य :

1.	श्री बृजमोहन वचनामृत भाग–1	हिन्दी
2.	श्री बृजमोहन वचनामृत भाग–2	हिन्दी
3.	श्री बृजमोहन वचनामृत भाग–3	हिन्दी
4.	श्री बृजमोहन वचनामृत भाग–4	हिन्दी
5.	श्री बृजमोहन वचनामृत भाग–5	हिन्दी
6.	साधन पद्धति	हिन्दी
7.	मज़हब और तहकीकात	हिन्दी
8.	अनुपम नारी रत्न	हिन्दी
9.	भजनावली	हिन्दी
10.	पत्र पुष्पांजलि भाग–1	हिन्दी
11.	पत्र पुष्पांजलि भाग–2	हिन्दी
12.	जीवन मुक्त अवस्था की ओर	हिन्दी
13.	आत्म बोध दर्पण	हिन्दी
14.	आत्म आहूति	हिन्दी
15.	आत्म प्रकाश	हिन्दी
16.	संरक्षक के संदेश	हिन्दी
17.	साधन की पहली सीढ़ी	हिन्दी
18.	साधन की दूसरी सीढ़ी	हिन्दी
19.	आनन्द योग भाग–1	हिन्दी
20.	आनन्द योग भाग–2	हिन्दी
21.	Anand Yoga Vol.I	English
22.	Anand Yoga Vol.II	English
23.	Iti Marg Ki Sadhana	English
24.	In Quest of Spiritualism Vol.I	English
25.	In Quest of Spiritualism Vol.II	English
26.	गीता सुधा (अध्याय 1 से 15)	हिन्दी/English
27.	अष्टावक्र गीता (अध्याय 1 से 5)	हिन्दी /English
28.	डायरी के पृष्ठों से (Clippings from Diary)	हिन्दी /English

त्रैमासिक मुख पत्रिका : सन्त सुधा

वार्षिक सदस्यता : 200/– रूपये

आजीवन सदस्यता : 2000/– रूपये (15 वर्षों के लिए)

शैक्षणिक संस्थाओं के लिए : 1000/– रू0 (10 वर्षों के लिए)

नोट : आगामी अन्य सत्संग कार्यक्रमों की सूचना, सत्संग साहित्य, त्रैमासिक पत्रिका सन्त सुधा, प्रवचनों की सीडी व डीवीडी प्राप्त करने के लिए

सम्पर्क सूत्रः 09810239677, 09968489927

E-mail: info@abssantsang.org, dr_janardansingh@yahoo.com

अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग (रजि.)
शाखा–लखनऊ

आध्यात्मिक उत्सव
SPITRITUAL FUNCTION
आनन्द योग– DIVINE SCIENCE

09–10 मार्च, 2013
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
09-10 March, 2013
Lucknow (U.P.)

सत्संग स्थल (Venue):
माधव सभागार, सरस्वती शिशु मन्दिर आठ नम्बर चौराहा के पास निरालानगर, लखनऊ
Madhav Sabhagar, Saraswati Shishu Mandir Near Chauraha No-8, Niralanagar, Lucknow

सत्संग मुख्यालयः
अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग (रजि.)
बी–20, सी.सी. कॉलोनी, राणा प्रताप बाग के सामने, दिल्ली–110 007

सत्संग आश्रमः
अनंगपुर, सुरजकुण्ड–बड़खल लेक रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)

अधिक जानकारी के लिए
Website:www.abssatsang.org
E-mail:info@abssatsang.org

आनन्द योग (A Divine Science) के ध्यान–योगाभ्यास के लिए
टी.वी.चैनल 'साधना' पर प्रत्येक गुरूवार से रविवार प्रातः 7.50 से 8.10 बजे तक देखा जा सकता है।

अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग परिचय

परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी (पूज्य भाई साहब जी) द्वारा संस्थापित अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग का आनन्द योग का पवित्र ज्ञान वही प्राचीन ब्रह्म–ज्ञान है जिसे महर्षि अष्टावक्र जी ने अपने प्रिय शिष्य राजा जनक को प्रदान कर आत्म–साक्षात्कार का दिव्य अनुभव करवाया और जनक चक्रवर्ती सम्राट होते हुए भी 'विदेह' कहलाये। आज की आधुनिक जीवन शैली को देखते हुए हमारे सिलसिले के बुजुर्गों/सत्गुरूओं ने 'आनन्द योग' का विकास किया जिसमें गृहस्थ जीवन में रहते हुए आत्मिक आनन्द और सच्चा सुख प्राप्त हो। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य आनन्द योग के सिद्धान्तों का जनमानस में ध्यान व चिन्तन (Concentration and Meditation) की सरल विधि बताना है। इति मार्ग–आनन्द योग एक ऐसी विधि है जिसको अपनाने से गृहस्थ जीवन यापन करते हुए निरन्तर परमात्मा की याद बनी रहे और साथ–साथ गृहस्थ के संसारिक कार्य आज से और अधिक सुन्दर हों और हमें इसी जीवन में सच्ची निष्काम–कर्मता व सच्चा आनन्द प्राप्त हो।

यह तरीका सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदाय के साधकों के लिए एक अद्भुत ईश्वरीय देन है। सच्चा आध्यात्मिक ज्ञान केवल समर्थ सत्गुरू के सान्निध्य द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है।

इस श्रृंखला में परम सन्त महात्मा रामचन्द्र जी महाराज, परम सन्त महात्मा रघुवर दयाल जी महाराज, परम सन्त महात्मा बृजमोहन लाल जी महाराज, परम सन्त महात्मा यशपाल जी महाराज, परम सन्त श्रीमती रूपवती जी (पूज्या माता जी) जैसे उच्चकोटि के सतगुरू हुए। इन सन्तों ने गृहस्थ धर्म का शास्त्रानुसार पालन करते एवं स्वयं जीविकोपार्जन करते हुए अध्यात्म विद्या का प्रचार–प्रसार किया। वर्तमान में सत्संग के संरक्षक परम सन्त महात्मा श्री सुरेश जी (परम पूज्य भैयाजी) साधकों के मार्गदर्शन के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं और अहर्निशं इसी कार्य में सतत् संलग्न हैं।

आध्यात्मिक व सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं विदेशों के केन्द्रों पर हर रविवार को (प्रातः 9 से 11 बजे तक) एवं बृहस्पतिवार को (सायं 6.30 से 8 बजे तक) योगाभ्यास–सत्संग का आयोजन किया जाता है जिसमें मुख्यतः ध्यान–योग किया कराया जाता है। हमारे तरीके से अभ्यास करने पर एवं सत्संग कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेने पर सच्चा आनन्द, सुषुप्ति, आध्यात्मिक चक्रों का जागरण, सहज समाधि, जीवन–मुक्त–अवस्था जैसे अध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होते है।

आध्यात्मिक उत्सव मार्च 2013
लखनऊ, (उत्तर प्रदेश)

पूज्यनीय माताओं और बन्धुओं,

यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि भगवान की असीम दया व कृपा से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग के संरक्षक परम सन्त महात्मा श्री सुरेश जी (परम पूज्य भैया जी) की स्वीकृति से प्रत्येक माह में देश के विभिन्न प्रदेशों में आध्यात्मिक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला में दिनांक 09 से 10 मार्च, 2013 लखनऊ में आध्यात्मिक शिविर का आयोजन लखनऊ वासियों के विशेष आग्रह पर किया जा रहा है। जिसमें गृहस्थ के सभी कार्य धर्मानुकूल करते हुए ध्यान–योगाभ्यास एवं निरन्तर परमात्मा की याद करने की विधि विस्तार से बताई जायेगी। समस्त सत्संगी भाई–बहनों से प्रार्थना है कि इस शुभ अवसर पर पधार कर सद्गुरूओं के आत्मिक फैज का लाभ उठायें व अन्य सज्जन वृद्ध, भक्तजनों व अध्यात्म मार्ग में चलने के उत्सुक देवियों व सज्जनों को भी इस शिविर में सम्मिलित होने के लिये साथ लायें व आमन्त्रित करें। यह सूचना समस्त सत्संगी भाईयों व बहिनों को स्वयं भी देने की कृपा करें।

शुभ अवसर पर परम संत महात्मा श्री सुरेश जी (पूज्य भैया जी) सत्संग कार्यक्रम संचालन एवं अपनी अमृतवाणी से सभी को सम्बोधित करने हेतु दिल्ली से पधार रहे हैं।

विनीतः

समस्त सत्संगी परिवार,

सत्संग शाखा, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

यात्रा विवरण

परम सन्त महात्मा श्री सुरेश जी महाराज (परम पूज्य भैया जी) का यात्रा विवरण

- परमपूज्य भैया जी दिनांक 08.03.2013 को सायं 22.10 बजे लखनऊ मेल (12230) से नई दिल्ली से चलकर दिनांक 09.03.2013 को प्रातः 7.00 बजे चारबाग रेलवे स्टेशन लखनऊ पधार रहे हैं।
- (परम पूज्य भैया जी) दिनांक 10.03.2013 को रात 10.10 बजे लखनऊ मेल (12229) से चारबाग रेलवे स्टेशन से चलकर दिनांक 11.03.2013 को प्रातः 7.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेंगे।

कार्यक्रम

अखण्ड शान्ति पाठ

शनिवार दिनांक 09 मार्च 2013 प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ होकर रविवार 10 मार्च 2013 प्रातः 10 बजे तक सम्पन्न होगा। इस पाठ में 'ऊँ शान्ति' मंत्र का जाप जिह्वा से नहीं अपितु हृदय से (Not by tongue but by thought) किया जाता है। इस जाप से साधकों को अनुपम् आन्तरिक शान्ति व आनन्द का अनुभव होता है।

शनिवार, दिनांक 09 मार्च, 2013
(Saturday, 9th March, 2013)

प्रातःकाल Morning

11.00 से 12.00	ध्यान– योगाभ्यास (Concentration & Meditation)
12.00 से 01.00	ध्यान – योगाभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रकाश (Discourse on how to achieve spirituality
01.00 से 01.30	प्रसाद वितरण (Distribution of Prasad)

सायं काल Evening

06.00 से 07.00	ध्यान– योगाभ्यास (Concentration & Meditation)
07.00 से 08.00	ध्यान – योगाभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रकाश (Discourse on how to achieve spirituality
08.00 से 08.30	प्रसाद वितरण (Distribution of Prasad)
10.00 से 11.00	टोली चर्चा (Group Discussion)

रविवार, दिनांक 10 मार्च 2013
(Sunday, 10th March, 2013)

प्रातःकाल Morning

06.00 से 6.30	रामधुन (Ram Dhun)
09.00 से 10.00	सामूहिक शान्तिपाठ (Collective Shanti Path)
10.00 से 11.00	ध्यान योगाभ्यास के सिद्धान्तों पर प्रकाश (Discourse on how to achieve spirituality)